



हमारा देश भारत 28 राज्यों और 8 केन्द्रशासित प्रदेशों से मिलकर बना है। पूरे देश की शासन व्यवस्था चलाने के लिए केन्द्र स्तर पर केन्द्र सरकार, राज्य स्तर पर राज्य सरकार एवं स्थानीय स्तर पर स्थानीय सरकार होती हैं। जब किसी स्थान का शासन वहाँ के लोगों द्वारा संचालित किया जाता है तो उसे स्थानीय स्वशासन कहते हैं।

गाँव की सार्वजनिक सुविधाओं का प्रबंध कराने एवं अन्य समस्याओं का निराकरण करने के लिए पंचायती राजव्यवस्था है। पंचायती राजव्यवस्था तीन स्तरों पर कार्य करती है—

- ग्राम पंचायत ● क्षेत्र पंचायत ● जिला पंचायत

ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत के प्रमुख को ग्राम प्रधान कहते हैं। इसके सदस्यों एवं प्रधान का चुनाव गाँव के वयस्क (18 वर्ष या उससे अधिक आयु) नागरिकों द्वारा किया जाता है। ग्राम पंचायत का चुनाव पाँच वर्ष के लिए किया जाता है।

ग्राम पंचायत गाँव में पीने के पानी की व्यवस्था तथा नाली और खड्गजे बनवाने का काम करती है। यह जन्म और मृत्यु का हिसाब रखती है। ग्राम पंचायत गाँव में पढ़ाई—लिखाई, आँगनबाड़ी, चिकित्सा और दूसरे विकास कार्यों की देख—रेख भी करती हैं।

ग्राम सभा उस गाँव के 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों से मिलकर बनती है।



ग्राम पंचायत

आइए, समझें

लोकेपुर गाँव में पानी की समस्या है। इसके लिए पंचायत के सभी सदस्यों की बैठक हुई। सभी ने मिलकर पानी की समस्या को दूर करने के लिए विचार किया। पंचायत के सदस्यों ने कुआँ साफ करने और हैंडपम्प को गहरा करने के विकल्प पर विचार किया जिससे गाँव को पानी के बिना न रहना पड़े। आगे भी पानी की समस्या न हो इसलिए वर्षा जल के संचयन की योजना बनाई गई। विकास कार्य के लिए उपलब्ध जो भी धन था उसे तुरन्त कुआँ साफ कराने एवं हैंडपम्प के सुधार के लिए दिए जाने का निर्णय लिया गया।

पता कीजिए—

- आपके गाँव का ग्राम प्रधान कौन है ?
- उन्हें ग्राम प्रधान कैसे चुना गया ?
- ग्राम प्रधान ने गाँव के विकास के लिए क्या-क्या काम कराए ?

क्षेत्र पंचायत

कई ग्राम पंचायतों को मिलाकर एक क्षेत्र पंचायत बनती है, जिसके प्रमुख को ब्लॉक प्रमुख कहते हैं। क्षेत्र पंचायत अपने क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था, वृक्षारोपण, सड़कें बनवाना, कृषि योग्य भूमि का विकास आदि का काम करती है।

जिला पंचायत

जिले की सभी क्षेत्र पंचायत से मिलकर जिला पंचायत बनती है। उसके मुखिया को जिला पंचायत अध्यक्ष कहते हैं। जिला पंचायत, जिले के ग्रामीण क्षेत्र के विकास कार्यों को करती है, जैसे— सड़क, पुलिया आदि का निर्माण कराना।



ग्राम पंचायत के कार्य

यह तो हुई गाँव की बातें, अब नगर की बात करें —

जिस प्रकार गाँवों के विकास के लिए पंचायत व्यवस्था बनाई गई है, उसी प्रकार नगरों (शहरों) के विकास और समस्याओं के निराकरण हेतु नगरीय निकायों का गठन किया गया है। जनसंख्या के अनुसार उनके नाम अलग-अलग हैं। आइए जानें, वे कौन-कौन सी हैं ?

नगर पंचायत

छोटे नगरों की व्यवस्था या विकास के लिए नगर पंचायत का गठन किया गया है।

नगरपालिका परिषद्

नगर पंचायत से बड़े नगरों की व्यवस्था के लिए नगरपालिका परिषद् होती है।

नगर निगम

नगरपालिका परिषद् वाले नगरों से अधिक आबादी वाले नगरों के लिए नगर निगम होते हैं।

इनके गठन के लिए नगर को अलग-अलग क्षेत्रों (वार्डों) में बाँटा जाता है। प्रत्येक वॉर्ड से एक सदस्य चुना जाता है जिसका चुनाव नगर में रहने वाले 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग मतदान द्वारा करते हैं। वे नगर की विकास योजनाओं और समस्याओं पर मिलकर विचार-विमर्श करते हैं तथा समाधान निकालते हैं।

नगर पंचायत या नगरपालिका परिषद् के प्रमुख को 'अध्यक्ष' कहते हैं तथा नगर निगम के प्रमुख को 'महापौर' या 'मेयर' कहते हैं। इन सभी का कार्य नगर में पीने का पानी, सफाई, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा की व्यवस्था करना है।

लोगों की समस्याएँ— किससे कहें ? कैसे सुलझाएँ ?

सीमा के मोहल्ले में प्रतिदिन नगरपालिका की गाड़ी कूड़ा उठाने के लिए आती थी। इधर कुछ दिनों से कूड़ा उठाने वाली गाड़ी के न आने से मोहल्ले में चारों ओर गंदगी फैल गई। बदबू आने लगी। बारिश होने से जल भराव की समस्या होने लगी। मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ता गया। मोहल्ले में बीमारी न फैले इसके लिए मोहल्ले के लोगों ने मिलकर नगरपालिका में शिकायत की अर्जी दी। नगरपालिका के सदस्यों ने उनकी शिकायतों पर ध्यान दिया। जिससे अब पुनः सीमा के मोहल्ले में कूड़ा उठाने के लिए प्रतिदिन गाड़ी आने लगी। नालियों की साफ-सफाई की गई। दवा का छिड़काव किया गया और उसका मोहल्ला पहले की तरह साफ-सुथरा हो गया।

ग्राम पंचायत से नगर निगम तक सभी सदस्य जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि होते हैं। इसीलिए इसे 'स्वशासन' कहते हैं। स्वशासन का अर्थ है— जनता का अपना शासन।



चर्चा करिए—

- आपके नगर के विकास के लिए नगरीय निकायों द्वारा कौन-कौन से कार्य कराए गए हैं ? उनकी सूची बनाएँ।
- आपके मुहल्ले में कूड़ा-कचरा उठाने के लिए क्या व्यवस्था की गई है ?
- आपके शहर में पेयजल एवं सड़कों पर रोशनी के लिए क्या व्यवस्था है ?

यदि आप गाँव में रहते हो तो अपनी शिक्षिका/शिक्षक से पूछकर पास के नगर के बारे में उपर्युक्त जानकारी प्राप्त करें।

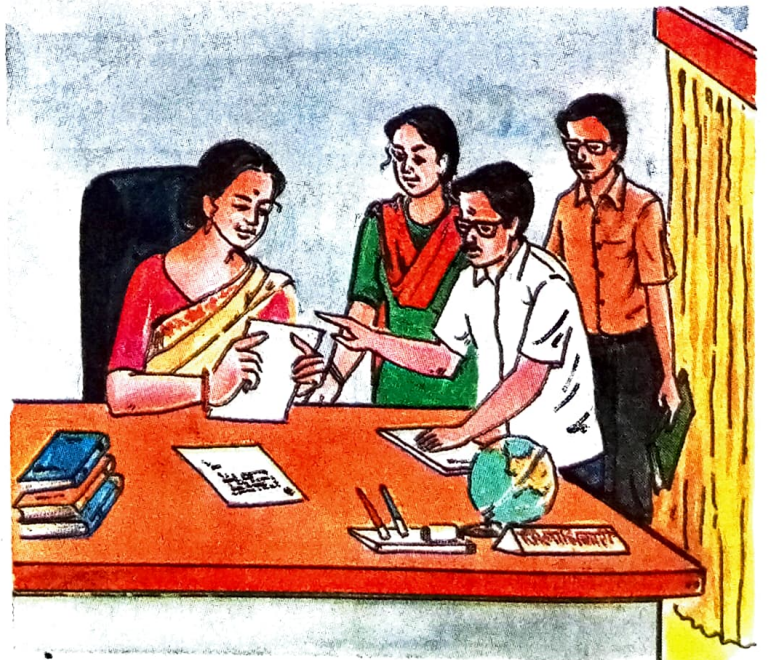
जिला प्रशासन

हम लोग गाँवों या शहरों में रहते हैं। हम सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पानी की सुविधा एवं सुरक्षा चाहते हैं। इन कार्यों के लिए बहुत से सरकारी अधिकारी व कर्मचारी होते हैं। ये जनता द्वारा निश्चित समय के लिए चुने नहीं जाते बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं द्वारा चयनित होते हैं।

आइए, इन्हें जानें—

जिलाधिकारी

- जिले में शान्ति व कानून व्यवस्था बनाए रखना।
- भूमि माप व लगान की वसूली करना।



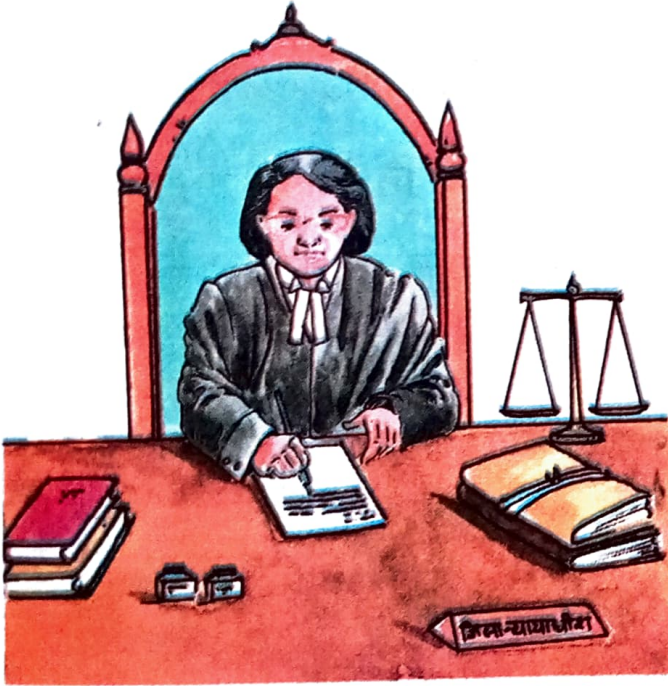
पुलिस अधीक्षक

- कानून व्यवस्था की रक्षा करना।
- अपराधियों को सजा दिलवाना।



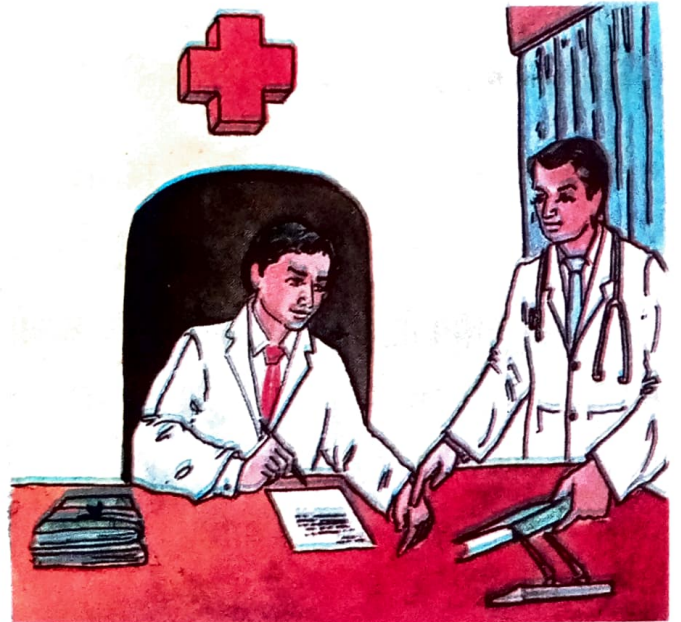
जिला न्यायाधीश

- विवादों का निपटारा करना।
- न्याय प्रदान करना।



मुख्य चिकित्सा अधिकारी

- स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रबंध करना।
- परिवार कल्याण एवं टीकाकरण आदि की व्यवस्था करना।



मुख्य विकास अधिकारी

- विकास की योजना को लागू करना।
- विकास योजनाओं की देख-रेख करना।



जिला विद्यालय निरीक्षक

- माध्यमिक विद्यालयों की देख-रेख एवं पठन-पाठन की व्यवस्था करना।



जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की देख-रेख व पढ़ाई की व्यवस्था करना।

इन अधिकारियों के अलावा जिले में और भी अधिकारी होते हैं जो बिजली, कृषि, सिंचाई की व्यवस्था, सड़कों और सरकारी भवनों का निर्माण कराने में सहायता करते हैं। सभी जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों का काम लोगों की समस्याएँ दूर करना है। हमें इनके काम में पूरा सहयोग देना चाहिए।





अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

- (क) पंचायती राज व्यवस्था के कितने स्तर होते हैं ?
- (ख) ग्राम पंचायत के गठन व कार्य लिखिए।
- (ग) क्षेत्र पंचायत के कार्य लिखिए।
- (घ) नगर निगम के प्रमुख को क्या कहते हैं ?
- (ङ) नगर पंचायत के क्या कार्य हैं ?
- (च) जिलाधिकारी के कार्य लिखिए।
- (छ) जिले में प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था की जिम्मेदारी किसके पास होती है ?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

- (क) ग्राम पंचायत का चुनाव वर्ष के लिए होता है।
- (ख) जिले में माध्यमिक शिक्षा की व्यवस्था की जिम्मेदारी की होती है।
- (ग) जिले में स्वास्थ्य एवं बीमारियों के रोकथाम की जिम्मेदारी की होती है।
- (घ) जिले में शांति एवं सुरक्षा के लिए होता है।



प्रोजेक्ट वर्क

- (क) बारिश के पानी से जल भराव की समस्या हो गई है, कैसे दूर करेंगे ? चर्चा करें और अपने सुझाव लिखकर ग्राम प्रधान को दें।
- (ख) मुख्य सड़क से गाँव तक सम्पर्क मार्ग के लिए पक्की सड़क बनवाने हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखिए।